2

11/4/21

लोहे का तराजू

3. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ—**

क. व्यापार में हानि होने पर किसका धन नष्ट हो गया था?

i. महाजन का ☐ ii. व्यापारी-पुत्र का ☑ iii. बालक का ☐

ख. महाजन व्यापारी-पुत्र को क्या नहीं लौटाना चाहता था?

i. धन ☐ ii. तराजू ☑ iii. बालक ☐

ग. महाजन और व्यापारी-पुत्र का विवाद हल न होने पर दोनों किसके पास पहुँचे?

i. न्यायाधीश के पास ☑

ii. गाँव के बुजुर्गों के पास ☐

iii. राजा के पास ☐

4. **किसने, किससे कहा?**

		किसने कहा?	किससे कहा?
क.	“मित्र, तराजू तो चूहे खा गए।”	महाजन ने	व्यापारी-पुत्र से
ख.	“तुम अपने पुत्र को मेरे साथ भेज दो।”	व्यापारी ने	महाजन से
ग.	“महोदय! मैं सत्य कह रहा हूँ, उसे बाज उठाकर ले गया।”	व्यापारी ने	न्यायाधीश से
घ.	“सच-सच बताओ, अन्यथा तुम्हें दंडित भी किया जा सकता है।”	न्यायाधीश ने	व्यापारी से

इन पर विचार करो

1. इस कहानी में आपको कौन-सा पात्र अच्छा लगा? उस पात्र के गुणों पर विचार करो।
2. छल-कपट और लालच से दूसरों का धन हड़पने का क्या परिणाम होता है? इस प्रश्न पर विचार करो। छल-कपट और लालच से दूर रहने का प्रयास करो।

प्रशंसा-योग्य

- कुछ भी करने से पहले उसके परिणाम के बारे में ज़रूर सोच लेना चाहिए। जैसे नीम के पेड़ से कभी आम का फल नहीं मिल सकता, वैसे ही बुरे कामों का नतीजा अच्छा नहीं हो सकता। कई बार मनुष्य लालच के कारण दूसरे की चीज़ को भी अपना समझने लगता है, ऐसी भावना को कभी भी अपने मन में नहीं आने देना चाहिए। महाजन ने व्यापारी-पुत्र के कीमती तराजू को हड़पने की कोशिश की, जिसे व्यापारी-पुत्र ने अपनी चतुराई से वापस प्राप्त किया। कभी-कभी दुष्ट लोगों को सबक सिखाने के लिए उन्हीं की तरकीब अपनानी चाहिए। व्यापारी-पुत्र ने भी अपने पुरखों के तराजू को वापस पाने के लिए महाजन जैसी चतुराई का सहारा लिया।

जानी-अनजानी बातें

- चूहे के आगे के दाँत हर साल साढ़े चार से साढ़े पाँच इंच तक बढ़ जाते हैं। लकड़ी, सीमेंट, ईंटें, तार आदि को कुतर-कुतरकर वे अपने दाँतों की लंबाई को काबू में रखते हैं। इससे उनके दाँत घिसते रहते हैं।
- चूहों को पसीना नहीं आता। वे अपने शरीर का तापमान अपनी पूँछ से नियंत्रित करते हैं।

अपनी ऊँची उड़ान और पैनी नज़र के लिए जाना जाता है बाज़—

- बाज़ आकाश में अन्य पक्षियों से बहुत अधिक ऊँचा उड़ता है।
- बाज के पतले और मुड़े हुए पंख तेज उड़ने और शीघ्रता से दिशा बदलने में सहायक होते हैं।
- माना जाता है कि बाज़ अपने शिकार को लगभग 5 किलोमीटर की ऊँचाई से भी देख लेता है।

भाषा से

श्रुतलेख

व्यापारी-पुत्र, पुनः, सज्जनता, प्रभावित, तत्काल, न्यायाधीश, दंडित, चेतावनी।

1. पाठ में प्रयुक्त नीचे दिए शब्दों के दो भिन्न अर्थ पढ़कर वाक्य बनाओ—

महाजन
- महान लोग – सभी महाजन सभा में उपस्थित थे।
- रुपए का लेन-देन करने वाला – महाजन लोगों को ब्याज पर रुपया उधार देता है।

हल
- खेती का उपकरण – किसान ने हल उठाया और खेत जोतने लगा।
- समाधान – इस समस्या का कोई हल निकालो।

मन
- हृदय – उसकी ऐसी हालत देख मेरा मन भर आया।
- भार की एक इकाई – भंडार गृह में लगभग दो मन अनाज होगा।

2. पाठ में से चार-चार पुल्लिंग-स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द छाँटकर लिखो—

पुल्लिंग – पुत्र, व्यापारी, महाजन, न्यायाधीश

स्त्रीलिंग – नदी, गुफा, नीयत, चेतावनी

3. **पढ़ो और समझो—**

भारी तराजू – कैसा तराजू? भारी

बहुत धन – कितना धन? बहुत

'तराजू' और 'धन'— संज्ञा शब्द हैं। 'भारी' और 'बहुत' संज्ञा शब्दों के बारे में कुछ विशेष बता रहे

संज्ञा शब्दों के बारे में कुछ विशेष बताने वाले शब्द **विशेषण** और जिन शब्दों की विशेषता बताई जा

वे **विशेष्य** कहलाते हैं।

इनमें से विशेषण शब्दों को रेखांकित करो—

चतुर व्यापारी, लालची महाजन, नया शहर, विचित्र उत्तर, मुश्किल समय, कीमती तराजू

4. **उचित शब्द लिखकर वाक्य पूरे करो—**

पर के लिए ने में का की

क. किसी नगर ---में--- एक व्यापारी-पुत्र रहता था।

ख. धन कमाने ---के लिए--- उसने परदेस जाने का विचार किया।

ग. व्यापारी ---का--- पुत्र समझ गया कि महाजन ---की--- नीयत बदल गई है

घ. मैं नदी ---पर--- स्नान के लिए जा रहा हूँ।

ङ. महाजन ---ने--- न्यायाधीश से कहा।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. कहानी के पात्र महाजन और व्यापारी-पुत्र ने क्या किया? अगर उन्होंने यह न किया होता तो क्या होता? दिए गए आरेख को अपनी उत्तर-पुस्तिका में बनाकर अपने अनुमानों का उल्लेख करो—

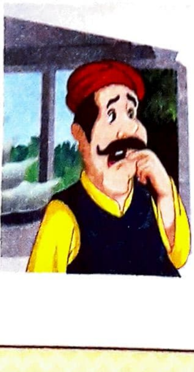

महाजन

क्या किया?

व्यापारी पुत्र का तराजू वापस करने से मना कर दिया।

अगर न किया होता तो क्या होता?

तो व्यापारी-पुत्र भी उसके पुत्र को गुफा में बंद न करता।

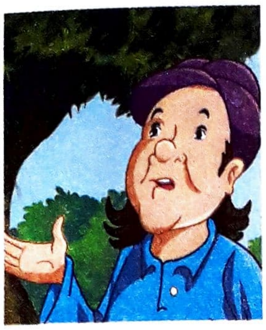

व्यापारी-पुत्र

क्या किया?

महाजन के बेटे को गुफ़ा में बंद कर दिया।

अगर न किया होता तो क्या होता?

तो उसे उसका तराज़ू कभी वापिस न मिलता।

2. इस कहानी का नाटक के रूप में कक्षा में मंचन करो।
3. 'बुरे काम का बुरा नतीजा' विषय पर कक्षा में अध्यापक के साथ चर्चा करो।
4. नीचे दिए दोनों चित्रों को ध्यान से देखो और दोनों में अंतर ढूँढ़ निकालो– Do yourself

हमने क्या सीखा

1. बुरे काम का नतीजा हमेशा बुरा ही होता है।
2. हमें लालच में आकर कभी किसी की वस्तु को हड़पने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।
3. कई बार धूर्त व्यक्ति को सबक सिखाने के लिए जैसे को तैसा व्यवहार करना पड़ता है।
4. धैर्य, बुद्धिमानी और समझ-बूझ के बल पर हर समस्या का हल निकाला जा सकता है।